पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित:01.01.2021 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केवल 100 रू का सहयोग करें

कृपया अपनी प्रिय पत्रिका को नियमित बनाये रखने के लिये केवल 100/— रू का सहयोग ''युवा उदघोष, A/N0. 20024363377, IFSCode. MAHB0000901, बैंक आफ महाराष्ट्र, डा. मुखर्जी नगर, दिल्ली—110009 पर आनलाईन भेजें। — अनिल आर्य

वर्ष-37 अंक-15 पौष-2076 दयानन्दाब्द 197 01 जनवरी से 15 जनवरी 2021 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.01.2021, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 142वां वेबनार सम्पन्न

93वां पंडित रामप्रसाद बिस्मिल बलिदान दिवस सोल्लास सम्पन्न

क्रांतिकारियों के सिरमौर थे रामप्रसाद बिस्मिल —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
स्वतन्त्रता आंदोलन की क्रांति के जनक थे बिस्मिल —डॉ जयेन्द्र आचार्य

शनिवार,19 दिसम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल के 93 वें बलिदान दिवस के अवसर पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया। यह कोरोना काल में परिषद का 137 वां वेबिनार था। वैदिक विद्धान आर्ष गुरुकुल नोएडा के प्राचार्य डॉ जयेन्द्र आचार्य ने कहा कि अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल समस्त क्रांतिकारियों के गुरु थे व देश की आजादी के लिए संघर्षरत गर्म दल के क्रांति के जनक थे। शाहजहांपुर की उर्वरा धरती में महान क्रांतिकारी पंडित रामप्रसाद बिस्मिल का जन्म हुआ।आर्य समाज शाहजहांपुर के सत्संग में स्वामी सोमदेव जी के प्रवचनों को सुनके बालक बिस्मिल के मन पर गहरा प्रभाव पड़ा।उनसे प्रभावित होकर पंडित बिस्मिल ने सत्यार्थ प्रकाश पढा, जिसको पढ़ कर बिस्मिल का सम्पूर्ण जीवन बदल गया।नशे जैसी दुष्प्रवृत्ति में जकड़े नौजवानों ने सब बुराइयों को छोड़कर अपने जीवन को संयम तथा सदाचार के मार्ग पर लगा दिया। महर्षि दयानन्द को अपना गुरु मानकर देश को आजाद कराने का संकल्प लिया तथा सम्पूर्ण जीवन देश को आजाद कराने में लगा दिया तथा देश की आजादी की लड़ाई लड़ते लड़ते फाँसी के फंदे को चूम लिया।उन्होंने फांसी के फंदे को चूमते हुए कहा था ष्मैं ब्रिटिश साम्राज्य का पतन चाहता हूंष्आचार्य जी ने कहा कि ष्जो फांसी पर चढ़े खेल में उनको याद करे। जो वर्षों तक सड़े जेल में उनको याद करे। (शेष पृष्ठ 2 पर)

94वें बलिदान दिवस पर स्वामी श्रद्धानन्द को कृतज्ञ राष्ट्र की श्रद्धांजलि

त्याग, बलिदान व समर्पण के पर्याय थे श्रद्धानंद —सांसद स्वामी सुमेधानंद
गुरूकुलीय शिक्षा व स्त्री शिक्षा के प्रबल समर्थक थे श्रद्धानंद जी —शिक्षाविद डॉ. अशोक कु चौहान

बुधवार,23 दिसम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में स्वतन्त्रता सेनानी, समाज सुधारक स्वामी श्रद्धानन्द जी के 94 वे बलिदान दिवस पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया। यह कॅरोना काल में परिषद का 139 वा वेबनार था। सांसद स्वामी सुमेधानंद(सीकर, राजस्थान) ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद सर्वस्व त्याग,बलिदान और समर्पण के पर्याय थे । उन्होंने समाज के लिए अपना सब कुछ आहूत कर दिया । आज शुद्धि आंदोलन के तीव्र गति से चलाने की आवश्यकता है जब तक घर वापिसी का मार्ग प्रशस्त नहीं होगा तब तक हिन्दू समाज व राष्ट्र मजबूत नहीं होगा। स्वामी दयानंद सरस्वती से हुई एक भेंट ने उनका सम्पूर्ण जीवन की दिशा व दशा ही बदल डाली । उन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद भयभीत अमृतसर में कांग्रेस के स्वागताध्यक्ष बनकर अधिवेशन सफल करवाया व हिंदी भाषण की शुरुआत की वह उनकी संगठन शक्ति व नेतृत्व क्षमता का प्रतीक है। समारोह अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार चौहान(संस्थापक अध्यक्ष, एमिटी शिक्षण संस्थान) ने कहा कि समाज सुधारक के रूप में उनके जीवन का अवलोकन करें तो पाते हैं कि उन्होंने प्रबल विरोध के बावजूद स्त्री शिक्षा के लिए अग्रणी भूमिका निभाई व गुरूकुलीय शिक्षा पद्धति को पुनर्जीवित किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद जी का बलिदान भवन दयनीय स्थिति में दिल्ली के नया बाजार में है,केंद्र सरकार से अनुरोध है कि उसे राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया जाए जिससे आने वाली नयी पीढ़ी दीर्घकाल तक प्रेरणा ले सके । उनके बलिदान दिवस पर यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हरियाणा राज्य के ओषधि नियंत्रक नरेंद्र आहूजा विवेक ने कहा कि जब स्वामी जी ने स्वयं की बेटी अमृत कला को विद्यालय से आकर श्एक बार ईसा—ईसा बोल, तेरा क्या लगेगा मोलश गाते सुना तो घर—घर जाकर चंदा इकट्ठा कर श्गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालयश की स्थापना हरिद्वार में स्थापना कर दी व अपने बेटे हरीश्चंद्र और इंद्र को सबसे पहले भर्ती करवाया। स्वामी जी का विचार था कि जिस समाज और देश में शिक्षक स्वयं चरित्रवान नहीं होते उसकी दशा अच्छी हो ही नहीं सकती। वैदिक विद्वान आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि अमर हुतात्मा,माँ भारती के महान सपूत, ऋषि दयानंद सरस्वती और आर्य समाज के निर्भीक सिपाही, गुरूकुल कांगड़ी और ऐसे अनेकों गुरूकुलो के निर्माता, ऐसे अद्वितीय व्यक्तित्व जिनकी विशेषता बताने के लिए हर विशेषण कम है स्वामी श्रृद्धानंद सरस्वती जी को उनके बलिदान दिवस पर कोटिशः शत—शत नमन। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा की भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरणसिंह ने किसानों में अपने हकों के लिए संघर्ष की अलख जलाई थी। (शेष पृष्ठ 4 पर)

योगीराज श्री कृष्ण की नीतियां पर गोष्ठी सम्पन्न

योगीराज श्री कृष्ण सर्वगुण सम्पन्न थे – आचार्य रविदेव गुप्ता
आज फिर श्री कृष्ण की नीतियां लागू करने की आवश्यकता – राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 27 दिसम्बर 2020,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में योगीराज श्री कृष्ण की नीतियां पर गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया । यह कॅरोना काल में परिषद का 141 वा वेबनार था। आर्य विचारक आचार्य रविदेव गुप्ता ने कहा कि योगीराज श्री कृष्ण नीतिवान व सर्वगुण सम्पन्न थे । उन्होंने महाभारत युद्ध टालने का पूरा प्रयास किया लेकिन कौरवों के हट के कारण सफल नहीं हो पाए । इतिहास की अनेको घटनाएं उनकी योग्यता, नीति व कार्यकुशलता का परिचय देती हैं । उनके द्वारा दिया गया गया गीता का संदेश हर काल खंड में प्रभावी व अनुकूल प्रतीत होता है । आज फिर श्री कृष्ण की नीतियों पर चलकर ही हम देश की एकता व अखंडता की रक्षा कर सकते है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भी योगीराज श्री कृष्ण की नीतियों पर चलते हुए चिरकाल से लंबित अनेको असभंव समस्याओं का निदान कर रहे है । देश में विद्यमान आंतकवाद, अलगाव वाद आदि समस्याओं का हल श्री कृष्ण की नीतियों पर चलकर ही हो सकता है । कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य नेता राजेश मेहेन्दिरता ने की। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने योगीराज श्री कृष्ण को अत्यंत नीतिवान व बुद्धिमान बताया। गायिका उर्मिला आर्या, पुष्पा चुघ, दीप्ति सपरा,रवीन्द्र गुप्ता,प्रतिभा कटारिया, जनक अरोड़ा,पुष्पा शास्त्री आदि ने भजन प्रस्तुत किये। आचार्य महेन्द्र भाई, यशोवीर आर्य,सौरभ गुप्ता,आंनद प्रकाश आर्य,ओम सपरा,शकुंतला नागिया, सुरेन्द्र शास्त्री आदि उपस्थित थे।

मातृ पितृ ऋण पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

माता पिता सृष्टि की सर्वश्रेष्ठ रचना है – आचार्य अखिलेश्वर (हरिद्वार)
माता पिता के उपकार सदैव स्मरण रखे – राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार,27 दिसम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आर्य नेत्री माता सुशीला व आर्य वीर हरिदेव आर्य की पुण्यतिथि पर मातृ पितृ ऋण विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया। यह कॅरोना काल में परिषद का 141वा वेबनार था। वैदिक विद्धवान आचार्य अखिलेश्वर जी (आंनद धाम,हरिद्वार) ने कहा कि माता पिता परमात्मा की सृष्टि की सर्वश्रेष्ठ रचना है,उनकी सेवा करना प्रत्येक संतान का धर्म है और जितना हमारे धर्म का पालन करेंगे, उतना सुख हमें उत्पन्न होगा। माता पिता के ऋण को हम कभी भी उतार नही सकते।उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए जीवनपर्यंत अपने बड़े बुजुर्गों की आज्ञा का पालन करते रहना चाहिए।बुजुर्गों की सेवा तो होती है, साथ–साथ सुख भी उत्पन्न होता है। माँ–बाप को सुख दें, तो हमें स्वयं सुख उत्पन्न होता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि ने कहा कि दुनियां एक माता पिता ही ऐसे अवतार हैं जो अपनी संतान से हारना चाहते हैं कि वह और अधिक उन्नति करे । माता पिता ने जो हमें लाड दिया और प्यार दिया वह अनमोल होता है उसका कोई मोल नहीं। माता पिता जितना कोई भी हमें प्यार नहीं दे सकता कोई हमारा ख्याल नहीं रख सकता। कभी माँ का प्यार नहीं भूलना।हमें सदैव अपने माँ बाप का कहना मानना चाहिए और उनकी हर बात का पालन करना चाहिए।साथ ही उन्होंने पण्डित हरिदेव आर्य व माता सुशीला आर्या की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा की माता पिता की सेवा सभी का नैतिक कर्तव्य है आज सभी को इस कर्तव्य का बोध करवाना आवश्यक है। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने कहा कि संस्कृति व संस्कार माता पिता की देन है उनके द्वारा सिखाई गयी शिक्षा से समाज का कल्याण सम्भव है। समारोह की अध्यक्षता विदुषी सुमेधा आर्या ने की व आर्य नेता यशोवीर आर्य ने सभी का धन्यवाद किया। गायिका दीप्ति सपरा,रविन्द्र गुप्ता,उर्मिला आर्या,पुष्पा चुघ, अनिता आर्या, चिंकी आर्या, वेदिका, कुश, ओम, सुदेशवीर आर्या ,काशीराम रजक आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रूप से विंग कमांडर धर्म वीर,डॉ आशीष खुराना,राजन रखेजा,आचार्य महेन्द्र भाई,आनन्द प्रकाश आर्य,यशोव,राजीव कोहली, अरुण आर्य,सुरेश आर्य,शुरूति आर्या, शिवम मिश्रा आदि उपस्थित थे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

उन्होंने बिस्मिल के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि क्रांतिकारियों के सिरमौर थे पंडित रामप्रसाद बिस्मिल। बिस्मिल से प्रेरणा पाकर अनेक नोजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े।उनके घनिष्ठ मित्र अशफाक उल्ला खां भी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले। उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश से प्रेरणा लेकर महर्षि दयानन्द के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया था और अनेकों युवा साथियों को लेकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़े।देश की आजादी की लड़ाई को मजबूत करने के लिए हत्यारों और धन की आवश्यकता थी जिसे पूरा करने के लिए प्रसिद्ध काकोरी काण्ड को अंजाम दिया। देश के युवाओं के लिये उनका जीवन सदियों तक प्रकाश देता रहेगा।आज इतिहास को ठीक कर क्रांतिकारियों को सही सम्मान देने की आवश्यकता है, जिससे आने वाली पीढ़ी प्रेरणा ग्रहण कर सके। कार्यक्रम अध्यक्ष आर्य नेतावेद पाल आर्य (संरक्षक, आर्य केन्द्रीय सभा सोनीपत) ने कहा कि शहीद देश की अमानत है,समय समय पर उनको याद करके हम उनके जीवन से प्रेरणा लेकर नयी उर्जा का संचार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बिस्मिल पहले क्रांतिकारी थे जिनका वजन फांसी वाले दिन बढ़ गया था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा की रामप्रसाद बिस्मिल को वैदिक धर्म को जानने का सुअवसर प्राप्त हुआ। इससे उनके जीवन में नये विचारों और विश्वासों का जन्म हुआ।उन्हें एक नया जीवन मिला।उन्हें सत्य, संयम,ब्रह्मचर्य का महत्व आदि समझ में आया। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने कहा कि बिस्मिल बहुत अच्छे शायर थे, उनका लिखा गीत सरफरोशी की तमन्ना हर व्यक्ति की जुबान से गाया जाता है। बिस्मिल ने फांसी से तीन दिन पहले जेल में अपनी आत्म कथा लिखी थी जो हर नोजवान को पढ़नी चाहिए। सुप्रसिद्ध गायिका जनक अरोड़ा,रविन्द्र गुप्ता,ईश्वर देवी,विचित्रा वीर,अशोक गुगलानी ,काशीराम रजक,बिंदु मदान आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रूप से जगदीश मालिक,अमरनाथ बत्रा,ओम सपरा, देवेन्द्र गुप्ता,देवेन्द्र भगत,नरेश प्रसाद आदि उपस्थित थे।

क्रांतिकारी राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी की पुण्य तिथि पर दी श्रद्धांजलि

क्रांतिकारियों के बलिदान से राष्ट्र की नींव बनती है – राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
वेद ज्ञान सर्वोपरि व सर्वकालिक – आचार्य विजय भूषण आर्य

वीरवार,17 दिसम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में वैदिक धर्म सर्वोपरि विषय व क्रांतिकारी राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी की 93वीं पुण्यतिथि के अवसर पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया। यह कॅरोना काल में परिषद का 136 वा वेबनार था। वैदिक विद्वान आचार्य विजय भूषण आर्य ने कहा कि आर्य समाजी होने का अर्थ वैदिक धर्म के प्रचार–प्रसार के लिए आन्दोलनकारी होने का गुण, स्वभाव व कार्य है। वैदिक धर्मी, वेदानुयायी या आर्य समाजी हैं। हमारे पौराणिक भाई व अन्य मतों के अधिंकाश लोग ईश्वर के सत्य स्वरूप से अपरिचित होकर उससे विमुख होने के कारण सत्य व ययार्थ ज्ञान से दूर हैं व हो गये हैं। उनमें से कुछ या अधिकांश में केवल दम्भ दिखाई देता हैं, परन्तु वस्तु स्थिति यह है कि वह, अपने अज्ञान व स्वार्थ के कारण, धर्म के वास्तविक रूप को नहीं जानते व धर्म व मत–मतान्तरों की उन्नति व पतन के इतिहास से प्रायः अनभिज्ञ व शून्य हैं। वैदिक मान्यताएं वेद आधारित है उनमें मिलावट नही है। वेद ज्ञान सर्वकालिक व सर्वोपरि है उसे अध्ययन करना चाहिए । केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि क्रांतिकारियों के बलिदान की नींव पर ही कोई राष्ट्र खड़ा होता है । 17 दिसंबर 1927 को बंगाल में जन्मे फौलादी दृढ़ता, देश–प्रेम व आजादी के प्रति दीवानगी के गुणों से क्रांतिकारी बने राजेंद्र नाथ लाहिड़ी ने यहां गोंडा की धरती पर हंसते–हंसते फांसी के फंदे को गले लगा लिया था। फांसी पर चढ़ने से पहले उन्होंने फंदे को चूमा फिर भारत माता को नमन किया था। मैं मरने नहीं जा रहा बल्कि स्वतंत्र भारत में पुनर्जन्म लेने जा रहा हूं। यह कहते हुए राजेंद्र नाथ लाहिड़ी ने वन्दे मातरम के जयघोष के साथ फिरकी हुकूमत द्वारा काकोरी कांड के आरोप में दी गयी फांसी की सजा स्वीकारा था।फांसी पर चढ़ने से पहले सुबह लाहिड़ी व्यायाम कर रहे थे। जेलर ने पूछा मरने से व्यायाम का क्या प्रयोजन है? तब लाहिड़ी ने निर्वेद भाव से जो उत्तर दिया, उसे सुन जेलर भी निरुत्तर हो गये थे। बोले थे, साब! चूंकि मैं हिन्दू हूं और पुनर्जन्म में मेरी अटूट आस्था है। अतरू अगले जन्म में मैं स्वस्थ शरीर के साथ पैदा होना चाहता हूं। ताकि अधूरे कार्य को पूरा कर देश को स्वतंत्र करा सकूं। कार्यक्रम अध्यक्ष, सांसद प्रकाशवीर शास्त्री के पौत्र आर्य नेता शरद त्यागी ने कहा कि आज आवश्यकता है कि अनेक वैदिक विषयों पर सरल व छोटी पुस्तकें लिखकर उन्हें अधिक से अधिक लोगों में निःशुल्क वितरित करनी चाहिये। ऐसा करने से लोग सत्य को जानेगें और वह भी इसके लिए अन्यों से आग्रह करेगें। इस प्रकार आर्य समाज का प्रचार प्रसार तेज होगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि यदि सभी आर्य समाज व वेदों के अनुसार जीवन व्यतीत करें, वेदों को सर्वोपरि माने तो ये विश्व कल्याण का मार्ग है। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने कहा कि समग्र वेदों में दी गई शिक्षा के आचरण से सारे संसार के मनुष्य जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। गायिका दीप्ति सपरा,नरेन्द्र आर्य सुमन,आशा आर्या,जनक अरोड़ा, रविन्द्र गुप्ता,ईश्वर देवी,किरन सहगल,सविता आर्या आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रूप से आनन्द प्रकाश आर्य,यशोवीर आर्य,कुमकुम खोसला,देवेन्द्र गुप्ता,संतोष शास्त्री, डॉ सुषमा आर्या,प्रकाशवीर शास्त्री,ओमप्रकाश नागिया,मधु बेदी,अर्जुन कालरा, डॉ रचना चावला आदि उपस्थित थे।

यज्ञ उत्सव व विजय दिवस पर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

सैनिक किसी भी राष्ट्र का गौरव होते है – राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य
परोपकार की भावना से किया कार्य यज्ञ है – आर्य नेत्री उर्मिला आर्या

मंगलवार,15 दिसम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में देव यज्ञ का वैज्ञानिक स्वरूप विषय व 1971 के विजय दिवस पर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई । ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया। यह कॅरोना काल में परिषद का 135 वा वेबनार था। वैदिक विदुषी उर्मिला आर्या ने कहा कि यज्ञ पर्यावरण की शुद्धि का सर्वश्रेष्ठ साधन है द्य यह वायुमंडल को शुद्ध रखता है द्य वर्षा होकर धनधान्य की आपूर्ति होती है द्य इससे वातावरण शुद्ध व रोग रहित होता है द्य यज्ञ ऐसी ओषध है जो सुगंध भी देती है, पुष्टि भी देती है तथा वातावरण को रोगमुक्त करती है, उन्होंने कहा कि यज्ञ ही संसार का सर्वश्रेष्ठ शुभ कार्य है।इसे करने वाला व्यक्ति सदा रोग मुक्त व प्रसन्नचित रहता है द्य परोपकार की भावना से किया प्रत्येक कार्य यज्ञ कहलाता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सैनिक किसी भी राष्ट्र का गौरव व स्वाभिमान होते है । प्रत्येक राष्ट्र अपने सैनिकों पर गर्व करता है। भारत के इतिहास में 16 दिसम्बर 1971 का दिन बड़े सम्मान के साथ विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन के भारत पाक युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की एतिहासिक विजय हुई थी और 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। इस विजय के पश्चात पूर्वी पाकिस्तान स्वतेन्त्र हो गया, जो आज बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है। हमें अपनी बहादुर सेना पर गर्व है और उस युद्ध में वीरगति को प्राप्त सैनिकों को शत शत नमन करते हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष केन्द्रीय आर्य युवती परिषद की नेता कमलेश हसीजा ने कहा कि यज्ञश का अर्थ केवल आग में घी डालकर मंत्र पढ़ना नहीं होता। यज्ञ का अर्थ है– शुभ कर्म, श्रेष्ठ कर्म,सतकर्म, वेदसम्मत कर्म। सकारात्मक भाव से ईश्वर–प्रकृति तत्वों से किए गए आह्वान से जीवन की प्रत्येक इच्छा पूरी होती है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि कभी कभी मानव किन्ही संक्रमित रोगाणुओं के आक्रमण से रोग ग्रसित हो जाता है द्य इस रोग से छुटकारा पाने के लिए उसे अनेक प्रकार की दवा लेनी होती है द्य हवन यज्ञ जो बिना किसी कष्ट व् पीड़ा के रोग के रोगाणुओं को नष्ट कर मानव को शीघ्र निरोग करने की क्षमता रखते हैं। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 70वीं पुण्यतिथि पर याद करते हुए कहा कि वे राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले स्वतंत्र भारत के शिल्पी थे।सरदार पटेल जी की निरूस्वार्थ देशभक्ति और दृढ़ संकल्प–शक्ति हम सभी के लिए प्रेरणीय है। गायिका संगीता आर्या,दीप्ति सपरा,रजनी गोयल,उर्मिला आर्या,आशा आर्या, ईश्वर देवी, उर्मिला आर्या,पुष्पा चुघ,बिन्दु मदान,जनक अरोड़ा, रविन्द्र गुप्ता,डॉ रचना चावला,आशा आर्या आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य रूप से आनन्द प्रकाश आर्य,यशोवीर आर्य,कुमकुम खोसला,देवेन्द्र गुप्ता,संतोष शास्त्री, प्रकाशवीर शास्त्री,सविता आर्या,प्रतिभा कटारिया,अर्जुन कालरा आदि उपस्थित थे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के 43वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य बुद्धिजीवी महावेबनार

दिनांक 29,30 व 31 जनवरी 2021 (शुक.,शनि. व रविवार)

समस्त कार्यक्रम Zoom Apps और Facebook Live पर

विशेष आकर्षण- नेपाल, बंग्लादेश, कनाडा, दुबई, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, थाइलैंड, न्यूजीलैंड, मॉरिशस, साऊथ अफ्रिका आदि 10 देशों के आर्य नेताओं का समावेश

कार्यक्रमः—

दिनांकः शुक्रवार, 29 जनवरी 2021ः—

प्रातः 9 से 10 बजे तक, यज्ञः ब्रह्माः आचार्य अखिलेश्वर जी

प्रातः 11 से 1.30 बजे तक, आर्य महिला सम्मेलन

सायं 4 से 6 बजे तक, भक्ति संगीत व आचार्य संजीव रूप जी द्वारा संगीतमय वेद कथा

दिनांकः शनिवार, 30 जनवरी 2021ः—

प्रातः 9 से 10 बजे तक, यज्ञः ब्रह्माः आचार्य अखिलेश्वर जी

प्रातः 11 से 1.30 बजे तक, आर्य युवा सम्मेलन

सायं 4 से 6 बजे तक, भक्ति संगीत व आचार्य संजीव रूप जी द्वारा संगीतमय वेद कथा

दिनांकः रविवार, 31 जनवरी 2021ः—

प्रातः 9 से 10 बजे तक, यज्ञः ब्रह्माः आचार्य अखिलेश्वर जी

प्रातः 11 से 1.30 बजे तक, आर्य महासम्मेलन

सायं 4 से 6 बजे तक, आचार्य संजीव रूप जी द्वारा संगीतमय वेद कथा व समापन।

आह्वानः— आप सभी आर्य जनों से अनुरोध है कि यज्ञ के समय अपने अपने निवास पर/आर्य समाज में ''यज्ञ'' करके सोशल मीडिया पर लाइव चलायें व परिषद् के वार्षिक संकल्प 251 कुण्डीय यज्ञ को पूरा करने के लिये सहभागी बने। आपके पूर्ण सहयोग की कामना के साथ — अनिल आर्य, मो. 9810117464

पंडित मदनमोहन मालवीय व अटल जी की जयंती पर गोष्ठी सम्पन्न

हिन्दी को मालवीय जी ने विश्व पटल पर स्थापित किया — राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

अटल जी कवि से सफल राजनेता बने — प्रवीन आर्य

शुक्रवार, 25 दिसम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में महामना पंडित मदनमोहन मालवीय व पूर्वप्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर जूम पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि हिंदी को विश्व पटल पर स्थापित करने का कार्य मालवीय जी ने किया व कई समाचार पत्रों का कुशल संचालन कर हिंदी को आम आदमी तक पहुँचाया । उनका मानना था कि हिंदी ही एक दिन राष्ट्र भाषा के रूप में स्वीकार होगी । उन्होंने कहा था कि जब आर्य समाज दौड़ता है तो हिन्दू समाज चलता है, और जब आर्य समाज चलता है तो हिन्दू समाज रेंगना शुरू करता है । उन्होंने आर्य समाज को हिंदू समाज का रक्षक व चौकीदार बताया । राष्ट्र वादी विचारों से ओतप्रोत युवक तैयार हो इसलिए उन्होंने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की थी । वह कांग्रेस के गर्म दल व नरम दल में सेतु का कार्य करते रहे और उन्हें महामना की उपाधि से सम्मानित किया गया। हरियाणा राज्य ओषधि नियन्त्रक नरेंद्र आहूजा विवेक ने कहा कि भारतीय राजनीतिक विचारों के इतिहास में मालवीय जी का मुख्य योगदान उनका व्यापक राष्ट्रवाद का सिद्धांत है।वे संस्कृति को राष्ट्रवाद का आधार मानते हैं।उनका कहना था कि हम मानते हैं कि धर्म चरित्र का आधार है और मानव सुख का सबसे बड़ा स्रोत है। हमारा मानना है कि देशभक्ति एक शक्तिशाली उत्थानकारी प्रभाव है जो पुरुषों को उच्च विचारधारा वाली निष्काम कर्म की प्रेरणा देता है।देश की युवा पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा की महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक समानता के समर्थक भारत के पूर्वप्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भारत को सभी राष्ट्रों के बीच एक दूरदर्शी, विकसित, मजबूत और समृद्ध राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं।उन्हें भारत के प्रति उनके निस्वार्थ समर्पण और पचास से अधिक वर्षों तक देश और समाज की सेवा करने के लिए भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण दिया गया। 1994 में उन्हें भारत का 'सर्वश्रेष्ठ सांसद' चुना गया। पक्ष विपक्ष दोंनो ही उनके मुरीद थे।ऐसे महान व्यक्तित्व की कमी सदैव रहेगी।आज के नेताओं को उनके दिखाए मार्ग पर चलने का प्रयत्न करना चाहिए जिससे देश उन्नति कर सके। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने कहा कि अपने नाम के ही समान, अटलजी एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय नेता, प्रखर राजनीतिज्ञ, निरूस्वार्थ सामाजिक कार्यकर्ता, सशक्त वक्ता, कवि, साहित्यकार, पत्रकार और बहुआयामी व्यक्तित्व वाले व्यक्ति हैं"। उनके कार्य राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को दिखाते हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष) किसान की एक नजर खेत की मेड़ पर और दूसरी निगाह दिल्ली की संसद पर होनी चाहिए, पूर्व प्रधानमंत्री का ये संदेश उनकी दूरदृष्टि की मिसाल रहा है। योगाचार्य सौरभ गुप्ता ने कहा कि सादगी, ईमानदारी और अथक मेहनत से किसानों के महान नेता बने चौधरी चरण सिंह की 118 वीं जयंती पर उनकी यादें और बातें आज भी नहीं भूलती हैं।उनकी याद में आज का दिन किसान दिवस के रूप में देशभर में मनाया जाता है। गायिका उर्मिला आर्या, बिन्दु मदान,काशीराम आर्य,मृदुला अग्रवाल, राजश्री यादव,आशा आर्या,बिमला आहूजा,जनक अरोड़ा, रविन्द्र गुप्ता,किरन सहगल आदि ने अपने गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर आनन्द प्रकाश आर्य(हापुड़),ओम सपरा,आचार्य महेन्द्र भाई,आनन्द प्रकाश आर्य,यशोवीर आर्य,धर्मपाल आर्य, रामकुमार आर्य, अरुण आर्य,व्यायामाचार्य सूर्यदेव,कमलेश हसीजा,वेदव्रत बेहरा (उड़ीसा),सुरेश आर्य, अशोक जांगड़(रोहतक) आदि उपस्थित थे।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970